BHINL20Y201	Hindi Sahitya Arvachin Hindi Kavya. Paper – I (Core Course 6A) हिन्दी साहित्य अर्वाचीन हिन्दी काव्य	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 MARKS			

Course Objectives:

- हिन्दी साहित्य अर्वाचीन हिन्दी काव्य विषयक और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- हिन्दी भाषा के अभ्यास के प्रवृत्ति को विकसित करना।
- हिन्दी भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- हिन्दी भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- हिन्दी भाषा की दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियां एवं प्रयोगों का विकास होना।
- भाषा एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- हिन्दी के गूढ़ ज्ञान का अभ्यास होना।

Unit - 1 18 घण्टे

- मैथिलीशरण गुप्त :
  1) सखि वे मुझसे कहकर जाते (यशोधरा से)
  2) दोनों ओर प्रेम पलता है (साकेत से))
- जयशंकर प्रसाद :
  1) बीती विभावरी जाग री
  2) शेर सिंह का शस्त्र समर्पण
- जायसी
  नागमती (वियोग खण्ड)
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :
  1) जागो फिर एक बार
  2) तोड़ती पत्थर
- माखनलाल चतुर्वेदी :
  1) कैदी और कोकिला
  2) हिमकिरीटनी
- महादेवी वर्मा :

अभिजेक मिश्र Ashishray

1) मैं नीर भरी दुख की बदली 2) बीन भी हूं मैं तुम्हारी रागिनी भी हूं। • सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : 1) कलगी बाजरे की 2) बावरा अहेरी मुक्तिबोध : 1) सहर्ष स्वीकारा है। 2) भूल गलती।	
Unit - 2	13 घण्टे
• मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला से एक समीक्षात्मक प्रश्न।	
Unit – 3	13 घण्टे
• माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय एवं मुक्तिबोध से एक समीक्षात्मक प्रश्न।	
Unit - 4	18 घण्टे
• आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियां : भारतेन्दु युग, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद और छायावादोत्तर काव्य।	
Unit - 5	13 घण्टे
• द्रुतपाठ -- भारतेन्दु हरिश्चंद, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, श्री नरेश मेहता और दुष्यंत कुमार।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
Text Book(s) / Reference Books		

	1. हिन्दी गद्य का विकास, डॉ . धीरेन्द्र वर्मा, नई दिल्ली। 2. हिन्दी कहानी उद्‌भव एवं विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद शुक्ल, प्रकाशन देवनागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 4. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन : डॉ. एम. एम. गणेशम्, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली।

Ashishyay

अभिषेक ओ

Course code	Hindi Bhasha & Sahitya Ka Itihas Aur Kavyag Vivechan Paper –2, (Core Course 6B)	L	T	P	C
BHINL20Y202	हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 MARKS			

Course Objectives:

- हिन्दी भाषा, काव्यशास्त्र एवं साहित्य विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में हिन्दी भाषा, काव्यशास्त्र एवं साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- हिन्दी भाषा, काव्यशास्त्र एवं साहित्य के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- हिन्दी भाषा, काव्यशास्त्र एवं साहित्य में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- हिन्दी भाषा, काव्यशास्त्र एवं साहित्य भाषा एवं की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- हिन्दी भाषा, काव्यशास्त्र एवं साहित्य एवं भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में हिन्दी भाषा, काव्यशास्त्र एवं साहित्य एवं भाषा कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- हिन्दी भाषा, काव्यशास्त्र एवं साहित्य और भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियां एवं प्रयोगों का विकास होना।
- हिन्दी भाषा, काव्यशास्त्र एवं साहित्य और भाषा की विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास और काव्यशास्त्र एवं साहित्य सूक्ष्म के ज्ञान का अभ्यास होना।

Unit - 1 — 18 घण्टे

- हिन्दी भाषा की उत्पति।
- हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ।
- विभिन्न भाषाओं का विकास।
- हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, संपर्क भाषा।

Unit - 2 — 13 घण्टे

- हिन्दी शब्द भण्डार।
- हिन्दी का शब्द स्रोत – तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी, शब्दावली।
- तत्सम और तदभ्व का अंतर, पारिभाषिक शब्दावली।
- हिन्दी के प्रमुख व्याकरणाचार्य – कामता प्रसाद गुरू एवं किशोरी दास बाजपेयी का अवदान।

Unit – 3 — 13 घण्टे

- हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन :
- आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल), उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की प्रवृत्तियाँ।

Unit - 4 — 13 घण्टे

- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग।
- छायावाद युग।
- छायावादोत्तर युगीन नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं।

अभिषेक सिंह Abhishek

Unit - 5	18 घण्टे
• काव्यांग विवेचन – रस और उसके भेद प्रमुख छन्द – दोहा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका। • प्रमुख अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान और संदेह।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text Book(s) / Reference Books			
	1	हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास, (भाग – 10) : डॉ. नंददुलारे वाजपेयी, देवनागरी प्रचारिणी सभा काशी।	
	2	हिन्दी गद्य का विकास : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, नई दिल्ली।	
	3	हिन्दी कहानी उद्‌भव एवं विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।	
	4	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद शुक्ल, प्रकाशन : देवनागरी प्राचारिणी सभा, काशी।	
	5	हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन : डॉ. एम.एम. गणेशम राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली।	
	6	भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	
	7	हिन्दी भाषा उद्‌भव और विकास : उदय नारायण तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।	
	8	हिन्दी भाषा उद्‌भव विकास और स्वरूप : हरदेव बाहरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।	

Ashishvas अभिषेक